27 June 2025_Copy of Layout 1 6/27/2025 1:25 PM Page 1

दैनिक

नज़रिया ख़बर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:17 | अंक: 358 | देहरादून, शुक्रवार 27 जून, 2025 | पृष्ठ:08 | मूल्य:1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

अवीवा इंडिया ने 'इंश्योरेंस फॉर ऑल' को लेकर जताई प्रतिबद्धता

हल्द्वानी। आईआरडीएआई की अध्यक्षता में हुई उत्तराखंड राज्य बीमा योजना की समीक्षा बैठक में अवीवा लाइफ इंश्योरेंस ने बीमा समावेश और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। कंपनी ने जमीनी स्तर पर अपनी पहलों की प्रगति और प्रभाव के महत्वपूर्ण आंकड़े साझा किए। समीक्षा बैठक के दौरान चीफ जनरल मैनेजर आरके शर्मा, जनरल मैनेजर अम्मू वेंकटरमना और डिप्टी जनरल मैनेजर भास्कर तीर्थरामन समेत आईआरडीएआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्र की प्रमुख बीमा प्रदाताओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्य की प्रमुख बीमा प्रदाता के रूप में अवीवा ने राज्य में अपनी योजना के तहत उठाए गए प्रमुख कदमों को सामने रखा। इनमें पिछले साल करीब 150 अवीवा वेलनेस एडवाइजर की नियुक्ति करने, पहुंच आसान बनाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करने और उत्तराखंड के कुछ सर्वाधिक वंचित क्षेत्रों में किफायती बीमा समाधान (इंश्योरेंस सॉल्यूशंस) उपलब्ध कराने जैसे कदम शामिल हैं।

ब्रेक फेल होने के बाद पहाड़ी से टकराया ट्रक, हेल्पर की मौत

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश से हेमकुंड साहिब जा रहे एक ट्रक के अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकराने के कारण उसमें सवार हेल्पर की मौत हो गयी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह एक ट्रक ऋषिकेश से हेमकुंड साहिब के लिए चला था। रास्ते में श्रीनगर मार्ग पर करीब छह बजे ट्रक ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकरा गया और सड़क पर पलट गया। ट्रक में सवार हेल्पर जोगिंदर सिंह (उम्र 55) पुत्र पंजाब राम, निवासी शिकार, जिला गुरदासपुर (पंजाब) की मौके पर ही मौत हो गई।

लोकतंत्र सेनानी हमारे महानायकः मुख्यमंत्री

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र देहरादून में आयोजित आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नरेन्द्र कुमार मित्तल, रणजीत सिंह जुयाल सहित 10 लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। केंद्र के सहयोग से राज्य के वन सम्बंधित मामलों का तत्परता से निस्तारण–सीएम धामी केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव का उत्तराखंड आगमन पर स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य के वन सम्बंधित मामलों का तत्परता से निस्तारण हो रहा है। उत्तराखण्ड को केंद्र सरकार का हर संभव सहयोग एवं मदद प्राथमिकता पर मिल रही है। लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज हमें लोकतंत्र की रक्षा करने वाले महानायकों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में आपातकाल का कालखंड हमेशा एक काले अध्याय के रूप में अंकित रहेगा। यह फैसला हमेशा की तरह देश को अपनी जागीर समझने वाले एक परिवार की हठधर्मिता और तानाशाही रवैए का परिणाम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल में भारतीय संसद को बंधक बना लिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर सेंसरशिप थोप दी गई और न्यायपालिका की गरिमा तार–तार कर करोड़ों देशवासियों के मौलिक अधिकारों को रौंद दिया गया। आपातकाल के उन काले दिनों में सत्ता के नशे में चूर तत्कालीन सरकार ने सभी विपक्षी नेताओं, सैंकड़ों पत्रकारों सहित हर उस आवाज का निर्ममता से दमन किया जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए उठ रही थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल कर पूरे देश को एक खुली जेल बना दिया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम।

आपातकाल के खिलाफ आंदोलन राष्ट्रव्यापी जनक्रांति बना

मुख्यमंत्री ने कहा कि नमन है लोकतंत्र के रक्षकों को, जिन्होंने जेल की कालकोठरियों को अपनी तपस्या की तपोभूमि बना लिया और लोकतंत्र के दीप को बुझने नहीं दिया। उस समय लोकनायक जयप्रकाश नारायण, नानाजी देशमुख, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडीज और चंद्रशेखर जी जैसे असंख्य लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल लगाने के तानाशाही सरकार के उस निर्णय के विरुद्ध हुए आंदोलन को दिशा देने का काम किया। जेल की चारदीवारी में बंद रहते हुए भी इन नेताओं ने युवाओं के भीतर लोकतंत्र के प्रति चेतना जाग्रत करने का कार्य किया। उस समय आदरणीय अटल जी ने कई कविताओं के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने का कार्य किया। तानाशाही सरकार के दमन के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और जनसंघ सहित अनेकों सामाजिक–सांस्कृतिक संगठनों ने भी अपनी पूरी शक्ति से लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए आंदोलन चलाया। इस आंदोलन को देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र–छात्राओं का भी भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ और धीरे–धीरे ये आंदोलन एक राष्ट्रव्यापी जनक्रांति में बदल गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पुण्य भूमि पर भी ऐसे अनेक सपूतों ने जन्म लिया, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए उस जनक्रांति में अग्रणी भूमिका निभाई थी। बागेश्वर के चंद्र सिंह राठौर ने शिक्षक रहते हुए छात्रों में लोकतंत्र के प्रति आस्था जाग्रत करने का कार्य किया जिसके लिए उन्हें कई यातनाएं झेलनी पड़ी, यहां तक कि अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा, जिसे 32 वर्ष के संघर्ष के बाद वे दुबारा प्राप्त कर सके। पौड़ी के गोविंद राम ढींगरा को भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से संबंध रखने के लिए जबरन जेल में डाल दिया गया था।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

'बिग कैट्स' के संरक्षण के लिए आईसीसीओएन में विचार-मंथन सत्र हुआ आयोजित

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारतीय वन्यजीव संस्थान में आयोजित भारतीय संरक्षण सम्मेलन (आईसीसीओएन 2025) के दूसरे दिन गुरुवार को अनुसंधान और साझेदारी की कहानियाँ सामने आईं साथ ही संरक्षणवादियों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डाला गया और विज्ञान, समुदाय और नीति के बीच पुल का निर्माण कैसे हो इस पर मंथन किया गया।

25 जून को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया था। दूसरे दिन की शुरुआत डॉ. रमना अथरेया (आईआईएसईआर पुणे) के सत्र के साथ हुई, जिन्हें अरुणाचल प्रदेश में स्थानिक रूप से एक आकर्षक और गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी प्रजाति बुगुन लियोसिक्ला की खोज के लिए जाना जाता है। प्रसिद्ध खगोल वैज्ञानिक से पक्षी विज्ञानी बने डॉ. रमना ने बताया कि कैसे अकादमिक शोध, आदिवासी आजीविका और जैव विविधता संरक्षण को अरुणाचल प्रदेश के समुदाय–नेतृत्व वाले मॉडल से समझा जा सकता है।

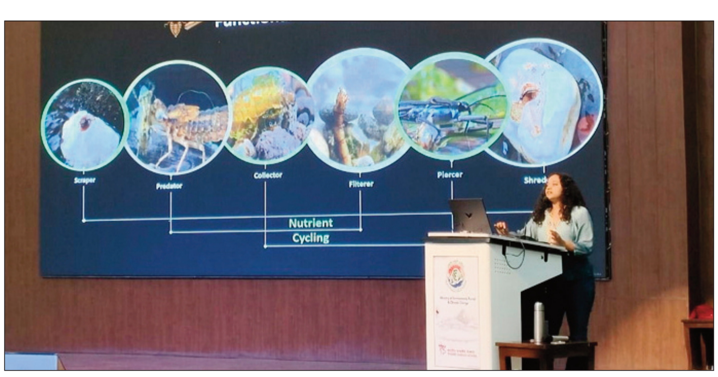

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

स्पीड टॉक का दौर चला, जिसमें युवा शोधकर्ताओं ने वन्यजीव संरक्षण और मानव–संशोधित परिदृश्यों में पक्षी विविधता जैसे विषयों पर चर्चा बात। इसके अलावा सम्मेलन के दूसरे दिन चार समानांतर मौखिक प्रस्तुति सत्र हुए, जिसमें प्रजाति और आवास मॉडलिंग, वन्यजीव शरीर विज्ञान और पारिस्थितिक निगरानी, बड़े शाकाहारी जानवरों के साथ सह–अस्तित्व, शहरी और समुदाय से जुड़ी जैव विविधता चुनौतियों जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसके अलावा सम्मेलन के दूसरे दिन प्रमुख आकर्षण रहा इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) का सत्र, जिसमें भारत, यूके, यूएस और अफ्रीका के विशेषज्ञ बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए वैश्विक रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। वर्ल्ड वाइड फंड, स्नो लेपर्ड ट्रस्ट और गो इनसाइट यूके के वक्ताओं ने विज्ञान–संचालित प्रवर्तन से लेकर सामुदायिक भागीदारी और डेटा–आधारित व्यापार निगरानी तक के नवाचारों को साझा किया।

27 June 2025_Copy of Layout 1 6/27/2025 1:25 PM Page 2

संपादकीय

जयशंकर ने कांग्रेस पर कसा तंज

भारत में आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे होने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक परिवार के हितों को देश से ऊपर रखा गया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करने के लिए फिल्म शकिस्सा कुर्सी काश का भी हवाला दिया। जयशंकर ने कहा कि यह सब एक परिवार की वजह से हुआ। शकिस्सा कुर्सी काश नाम की एक फिल्म है और ये तीन शब्द आपातकाल लागू करने के पीछे की वजह को बखूबी बताते हैं। जब एक परिवार को देश से ऊपर माना जाता है, तो आपातकाल जैसी चीजें होती हैं। विदेश मंत्री ने भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक मॉक पार्लियामेंट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। जयशंकर ने याद दिलाया कि आपातकाल के दौरान संसद का विपक्षी पक्ष खाली था क्योंकि नेता जेल में थे। उन्होंने कहा कि उस समय वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 20 वर्षीय छात्र थे। उन्होंने आगे कहा कि आपातकाल से सबसे बड़ी सीख यह है कि अपनी स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में न लें। जयशंकर ने कहा, ष्हमने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाई। हम यहां नकली संसद में भाग ले रहे हैं। आपातकाल के दौरान संसद का विपक्षी पक्ष खाली था। नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। ऐसा कभी नहीं होगा। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आपातकाल से सबसे बड़ी सीख क्या मिलीरू अपनी आजादी को कभी हल्के में न लें। जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं 20 साल का था। मैं जेएनयू में था। जो लोग आपातकाल के बारे में नहीं जानते, उन्हें लगता है कि यह एक राजनीतिक मामला था। लेकिन इसने जीवन जीने के तरीके को प्रभावित किया। विदेश मंत्री ने कहा कि आपातकाल की पूरी कवायद ष्देश और समाज का मनोबल तोड़नेष के लिए थी। उन्होंने कहा कि जो लोग राजनीति में भी नहीं थे, वे भी प्रभावित हुए, जबकि जो लोग राजनीति में थे, वे अच्छी तरह जानते थे कि राजनीति करने का मतलब है, गिरफ्तारी अपरिहार्य है। जयशंकर ने कहा, ष्यह पूरी कवायद, एक तरह से, देश और समाज का मनोबल तोड़ने के लिए थी... कई लोग, जो राजनीति में भी नहीं थे, प्रभावित हुए। जो लोग राजनीति में थे, वे अच्छी तरह जानते थे कि राजनीति करने का मतलब है, गिरफ्तारी अपरिहार्य है, और जो लोग गिरफ्तार हुए, वे नहीं जानते थे कि उन्हें कब और कैसे रिहा किया जाएगा।

शिक्षाविद् डॉ. वाचस्पति मैठाणी की जयंती पर ऑनलाइन संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण शुरु

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। डॉ. वाचस्पति मैठाणी स्मृति मंच द्वारा अखिल भारतीय ऑनलाइन संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण शुरु हो गए हैं।

संरक्षक मंडल के सदस्य एवं प्रतियोगिता के राष्ट्रीय संयोजक कैलाशपति मैठाणी ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षाविद् स्व. डॉ. वाचस्पति मैठाणी की 76 वीं जयंती पर देववाणी संस्कृत के प्रचार–प्रसार, देव संस्कृति एवं सनातन धर्म की रक्षा तथा छात्र छात्राओं के प्रतिभा विकास हेतु डॉ. वाचस्पति मैठाणी स्मृति मंच द्वारा अखिल भारतीय ऑनलाइन संस्कृतज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में वरिष्ठ नागरिकों को भी प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह मंच के लिए भी सम्मान की बात है। मैठाणी ने बताया कि गीता श्लोक उच्चारण में 9 से 14 वर्ष तक, स्तोत्र गान में 15 से 24 वर्ष तक, रघुवंश महाकाव्य प्रथम सर्ग श्लोक उच्चारण में 25 से 50 वर्ष तक तथा सुभाषित गान में 51 वर्ष से अधिक के नागरिक प्रतिभाग कर सकते हैं। जबकि संस्कृत नृत्य प्रतियोगिता में 9 से 18 वर्ष तक के बालक बालिकाएं प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रतियोगिता हेतु प्रतिभागी को अपना परिचय सहित न्यूनतम 3 मिनट व अधिकतम 4 मिनट का वीडियो सुंदर एवं आकर्षक रूप में व्हाट्सएप ग्रुप में 25 जुलाई तक भेजना होगा। उन्होंने बताया कि इस बार भी पांचों प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभागी को निर्णायकों के अलावा फेसबुक पेज पर दर्शकों की संख्या (अपमू) बढ़ाने का मौका भी दिया जाएगा। जिसमें 1 से 20 अंक तक प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी फेसबुक पेज पर अपलोड वीडियो को 5 अगस्त 2025 तक अधिक से अधिक लाइक, शेयर व कमेंट संख्या बढ़ाकर अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। मैठाणी ने कहा कि ऑनलाइन संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में कक्षा 3 से 12 तक के छात्र–छात्राएं प्रतिभाग कर सकेंगे। जिसके पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अगस्त एवं ऑनलाइन परीक्षा 26 अगस्त 2025 को गूगल क्विज के माध्यम से आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं के नाम की घोषणा की जायेगी।

प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए आयोजक।

विश्व शरणार्थी दिवस, मान्यता के माध्यम से एकजुटता

वैश्विक बदलते परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायन शरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन पीड़ित शरणार्थी

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर हर वर्ष विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून को मनाया जाता है जिसकी प्रतिवर्ष एक थीम होती है,जो 20 जून 2025 की थीम मान्यता के माध्यम से एकजुटता है। असल में,दुनिया भर में एक बड़ी संख्या में शरणार्थी रहते हैं। इनके साथ आए दिन प्रताड़ना, संघर्ष और हिंसा जैसी कई चुनौतियों के कारण इनको अपना देश छोड़कर बाहर भागने को मजबूर होना पड़ता है। जिसके बाद इन सभी को कई देशों में पनाह मिल जाती है। वहीं, कई देशों से इनको निकाल भी दिया जाता है। बेशक इन्हें पनाह मिल जाए, लेकिन वो सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाते।शरणार्थी के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इसके साथ ही इस दिन को मनाये जाने का एक अन्य उद्देश्य शरणार्थियों की बुरी दुर्दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना और उनकी समस्याओं का हल करना है,संयुक्त राष्ट्र 1951 शरणार्थी सम्मेलन और इसके प्रोटोकाल 1967, हालांकि भारत अमेरिका ने इसपर हस्ताक्षर नहीं किए हैं,परंतु इसके अनुसार शरणार्थी सम्मेलन और इसका 1967 प्रोटोकॉल अत्यंत महत्वपूर्ण है शरणार्थी दुनियाँ के सबसे कमजोर लोगों में से हैं। यह सम्मेलन और प्रोटोकॉल उनकी सुरक्षा में मदद करता है। वे एकमात्र वैश्विक कानूनी साधन हैं जो स्पष्ट रूप से एक शरणार्थी के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। उनके प्रावधानों के अनुसार, शरणार्थी, कम से कम, किसी दिए गए देश में अन्य विदेशी नागरिकों के साथ व्यवहार के समान मानकों के पात्र हैं और, कई मामलों में,नागरिकों के समान व्यवहार।1951 के कन्वेंशन में कई अधिकार शामिल हैं और यह अपने मेजबान देश के प्रति शरणार्थियों के दायित्वों पर भी प्रकाश डालता है। 1951 के कन्वेंशन की आधारशिला गैर–रिफाउलमेंट का सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार, एक शरणार्थी को उस देश में नहीं लौटाया जाना चाहिए जहां उसे अपने जीवन या स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा है। शरणार्थियों द्वारा इस सुरक्षा का दावा नहीं किया जा सकता है,जिन्हें देश की सुरक्षा के लिए उचित रूप से खतरा माना जाता है, या विशेष रूप से गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है,उन्हें समुदाय के लिए खतरा माना जाता है। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भाववाणी गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि अभी 1951 सम्मेलन तथा 1967 के प्रोटोकॉल को संशोधन करने की जरूरत आन पड़ी है?क्योंकि वर्तमान समय में हम अमेरिका–भारत–पाकिस्तान सहित अनेकों देशों में हो रहे गंभीर दंगों व आवर्जन विवादों के कारण माहौल दंगों में बदलने की संभावना हो गई है?भारत का ऑपरेशन पुशबैक व अमेरिका का टारगेट/3000 से दंगा भड़क उठा है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे वैश्विक परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायन शरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन शरणार्थी।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की करें तो,वहां भी घुसपैठ का हाल कमोबेश ऐसा ही है। यह जब एक बार घुसपैठिया अंदर आ जाता है तो उसको डिपोर्ट करना भी इसी तरह एक लंबा और विवादास्पद मामला बन जाता है। अमेरिका में लॉस एंजिल्स न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे कुछ ऐसे शहर हैं,जहाँ अधिकारियों को इन घुसपैठियों से पूछताछ करने या उन्हें हिरासत में लेने की अनुमति नहीं है। ये शहर डिपोर्ट करने के आदेशों या पुलिस के साथ सहयोग करने से साफ इनकार करते हैं, उन्हें कानून प्रवर्तन के राजनीतिक हथियार के रूप में देखते हैं।जून 2025 की शुरुआत से लॉस एंजिल्स में इसी से जुड़ा एक नाटक चल रहा है। यहाँ घुसपैठियों पर जब एक्शन चालू हुआ तो इसके विरोध में प्रदर्शन होने लगे। पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस और रबर की गोलियाँ चलाई। यहाँ इसके बाद यूनियन नेता को गिरफ्तार कर लिया गया, सरकार ने इसके बाद टाइटल 10 कानून के तहत 4,000 नेशनल गार्ड सैनिकों और 700 मरीन को तैनात करके जवाब दिया। इसके बाद तो बवाल और बढ़ा। कई कारों को जला दिया गया, सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया, कई पत्रकारों को घायल कर दिया गया। इस पूरे बवाल से ट्रंप सरकार की घुसपैठियों को लेकर नीति और किसी शहर को उनके लिए स्वर्ग बनाने की राजनीति माना जा सकता है। इन सब चक्करों में डिपोर्टेशन और भी कठिन हो जाता है। भले ही अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति सख्त सीमा प्रवर्तन और भूमि से अवैध अप्रवासियों को हटाने के लिए जोर दे रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो यहाँ भी वर्तमान में ऑपरेशन पुशबैक चल रहा है। इसके तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने का प्रयास हो रहा है। यह कार्रवाई अभी कुछ हजार लोगों तक ही सीमित है।भारतीय फैशन,असल में एक बार जब अवैध प्रवासी किसी देश में प्रवेश कर जाते हैं तो चाहे वह भारत हो, अमेरिका फिर या यूरोप के देश, तो उन्हें वापस भेजना कानूनी अड़चन, राजनीतिक विरोध और एक्टिविज्म का एक चक्रव्यूह बन जाता है। कायदा तो यह होना चाहिए कि किसी देश में अवैध रूप से रहने वालों को उठा कर सीधे वापस भेज दिया जाना चाहिए। हालाँकि, यह लंबी अदालती लड़ाइयों, एक्टिविज्म और कानूनी दाँवपेंच में बदल गया है। दिलचस्प बात यह है कि जहाँ भारत जैसे देशों में घुसपैठियों को बाहर निकालना मुश्किल का काम है।

अतः अगर हम अपरूप पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून 2025 – मान्यता के माध्यम से एकजुटता वैश्विक बदलते परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायनशरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन पीड़ित शरणार्थी।दुनियाँ की बदलती परिस्थितियों से क्या अंतरराष्ट्रीय शरणार्थी सम्मेलन 1951व इसके प्रोटोकॉल 1967 के संशोधन की जरूरत नहीं?भारत के ऑपरेशन पुशबैक व अमेरिका के टारगेट/3000 इसके सटीक उदाहरण हैं।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

बारिश में अवरुद्ध न हो पानी की सप्लाई, हर-घर जारी रहे निर्बाध स्वच्छ पानी की सप्लाई : जिलाधिकारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री के सुशासन एवं जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन सर्तकता और सक्रियता से डे–टू–डे समस्या का निदान करने में जुटा है। विगत 14 अप्रैल से लेकर 17 जून तक पेयजल की 167 शिकायतें मिली है, जिसमें से 162 शिकायतों का समाधान कर लिया गया है।

डीएम सविन बंसल।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग में लगी है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुड़े 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से 24ग7 जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बरसात के दौरान पानी की सप्लाई अवरुद्ध न हो। हर घर तक निर्बाध रूप से स्वच्छ पानी की सप्लाई जारी रहे। सभी जल स्रोत और टैंकों का नियमित क्लोरीनेशन के साथ पानी की गुणवत्ता को मेंटेन किया जाए। उन्होंने पेयजल से जुड़े विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी की शिकायत मिलते ही उसी दिवस उसका समाधान कर लिया जाए। कहा कि हमारा लक्ष्य हर घर तक शुद्ध पेयजल की प्रतिदिन निबार्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

अजबपुर कलां एवं मोथरोवाला में पानी की समस्या पर अधिशासी अभियंता ने बताया कि गेल कंपनी के निर्माण कार्यो के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिस कारण एनएचबी कॉलोनी और बैंक कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति बाधित रही। क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन की मरम्मत कराते हुए पेयजल सप्लाई सुचारू कर दी गई है। लो प्रेशर के कारण कुछ घरों में कम पानी पहुंचने पर टैंकर के माध्यम से भी आपूर्ति कराई जा रही है।

वहीं गंगा एनक्लेव में पेयजल की शिकायत पर बताया कि विद्युत केबल बिछाने के दौरान पानी की लाइन टूट गई थी। जिस कारण एकता विहार नलकूप को बंद करना पड़ा था। पेयजल लाइन की मरम्मत करने के बाद पानी की सप्लाई सुचारू कर दी गई है। वही छावनी परिषद के अंतर्गत सड़क पर बह रहे पानी की समस्या पर अधिशासी अभियंता द्वारा समस्या का मौका मुआयना किया गया और लीकेज की समस्या का समाधान किया गया। पेयजल की जो भी शिकायतें कंट्रोल रूम को मिल रही है प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ उसका निस्तारण कर जनमन को राहत पहुंचाने में जुटा है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी करते हुए ट्यूबवेल व नलकूपों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

रिश्तों को कर गए तार–तार, चाचा की हत्या कर भतीजे हुए फरार

देहरादून। राजधानी देहरादून में रिश्तों को तार–तार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सहसपुर क्षेत्र में खेत की मेड़ को लेकर हुए विवाद के चलते भतीजों ने चाचा की ही हत्या कर डाली जिसके बाद वह फरार हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी भतीजों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या की यह वारदात सहसपुर थाना क्षेत्रांर्तगत केदारवाला में घटित हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह केदारवाला गांव निवासी वाजिद अली (65) अपने खेत की मेड़ दुरस्त कर रहा था। इस दौरान उसके दो भतीजे मनीष और असलम अपने खेत में आये और मेड़ सही तरीके से करने को लेकर चाचा–भतीजों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ा कि दोनो पक्षों में हाथापाई हो गयी। जिसके चलते वाजिद अली खेत में मौजूद पानी में जा गिरे।

मानसून की बारिश ने खोली प्रशासन के दावों की पोल, जलभराव से लोग हलकान

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। स्मार्ट सिटी का दर्जा मिलने के बाद भी देहरादून के हालत सुधरने का नाम नही ले रहे है। मानसून का सीजन शुरू होते ही सड़कों पर हो रहे जलभराव ने प्रशासन के सारे दावों की पोल खोलकर रख दी है। जलभराव के कारण लोगों का सड़कों पर चलना दुर्भर हो रहा है।

बरसात का मौसम शुरू होते ही स्मार्ट सिटी राजधानी देहरादून की सड़कों पर जल भराव शुरू हो गया है, जिससे दूनवासी परेशान होने लगे है। हांलाकि मानसूनी सीजन शुरू होने से पूर्व आलाधिकारियों ने खासे दावे किये गये थे लेकिन उनके इन दावों की हवा अब बरसाती मौसम में निकलते दिखायी दे रही है।

यूं तो राजधानी देहरादून को स्मार्ट सिटी का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन इस स्मार्ट सिटी का हाल एक बरसात होते ही दिखायी देने लगता है। जब सड़कों पर गढ्ढे ही नहीं जल भराव भी शुरू हो जाता है। जिसके कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

हालांकि बरसाती सीजन शुरू होने से पूर्व अधिकारियों द्वारा खासे दावे किये जाते है। लेकिन इन दावों की पोल एक बरसात में ही सामने आ जाती है। ऐसा ही एक नजारा आज रायपुर रोड स्थित सहस्त्रधारा क्रांसिंग में सामने आया है। यहां बरसात होने के चलते सड़क पर जल भराव हो गया। जिसके कारण दुपहिया वाहन व पैदल चलने वाले लोगों को वहां से निकलने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी।

उत्तराखण्ड में सुदूरवर्ती गांवों का होगा चतुर्दिक विकास

- 40 वरिष्ठ आईएएस अफसरों ने गोद लिए गांव
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अभिनव पहल
- गांवों के विकास के लिए अब विस्तृत खाका होगा तैयार

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। गांवों का कायाकल्प होने से विकसित प्रदेश और विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के सुदूरवर्ती गांवों के चतुर्दिक विकास का बीड़ा उठाया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लेने का जिम्मा सौंपा गया है। योजना के तहत अधिकारियों ने गोद लिए गांवों के विकास के लिए काम करना शुरू कर दिया है। कई अधिकारियों ने गांवों में रात्रि प्रवास के ग्रामीणों के जनजीवन और उनकी समस्याओं को करीब से समझा है। अधिकारियों की ओर से कार्ययोजना बनाए जाने के बाद प्रदेश सरकार गांवों के विकास के लिए अभियान चलाकर काम करेगी। बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के छ8700 या इससे अधिक ग्रेड–पे के अधिकारियों को अपने प्रथम नियुक्ति के कार्य क्षेत्र को गोद लेने की अपेक्षा की गई थी। इसी आधार पर राज्य के 40 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लिया है। 20 मई 2025 को मुख्य सचिव आनंद बर्दधन की ओर से इस आशय का आदेश भी जारी कर दिया गया था। सभी अधिकारियों से अपने प्रथम नियुक्ति स्थल क्षेत्र में हुए बदलावों पर टिप्पणी की अपेक्षा की गई थी। कहने का अर्थ यह है कि आज वहां विकास में कितनी तेजी आई है। गांव के सामाजिक और आर्थिक विकास में सीएसआर या अन्य संसाधनों के इस्तेमाल से कैसे सुधार लाया जा सकता है। जिला योजना, राज्य सेक्टर और वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि के शत प्रतिशत सही उपयोग की कार्ययोजना भी अधिकारियों को तैयार करनी है।मुख्यमंत्री धामी की अपेक्षा के अनुसार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों की ओर दूरस्थ गांवों के विकास की योजना तैयार किए जाने से गांवों का योजनाबद्ध तरीके से विकास हो सकेगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग भी अधिकारियों को मिल रहा है।

किसी भी हालत में ऋषिकेश शहर के जलभराव का करना है समाधान: जिलाधिकारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने अमित ग्राम गुमानीवाला में लोनिवि द्वारा किये जा रहे ड्रेनेज कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य प्रगति बढाने के निर्देश दिए।

नाली को ठीक करते हुए।

जिलाधिकारी विगत दिवस ऋषिकेश में जलभराव समस्या के समाधान को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे, तथा लोनिवि को बजट की स्वीकृति प्रदान करते हुए तत्काल कार्य प्रारम्भ कराने को निर्देशित किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ह्यूम पाइप ड्रेनेज की सफाई व अलाइमेंट कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए जिससे इस बरसात में में जनसामान्य को जलभराव की समस्या से न जूझना पड़े।

उन्होंने कहा इन कार्यों की जिलाधिकारी निरंतर मॉनिटिरिंग कर रहें है, कार्यों में लापरवाही क्षम्य नही होगी। लोनिवि के अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करते हुए जलभराव की समस्या करने के निर्देश दिए गए

जिलाधिकारी के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी हालत में ऋषिकेश शहर के जलभराव का समाधान करना है, इसके लिए लोनिवि को तत्काल खुदाई कर जलभराव के मुख्य कारक गुमानीवाला चौक ह्यूम पाइप ड्रेनेज की सफाई तथा अलाइमेंट कार्य को तत्काल करने के निर्देश दिए थे, जिसके लिए फंड की स्वीकृति जिलाधिकारी ने मौके पर ही जारी की।

डीएम के लोक निर्माण के अधिकारियों से कड़े शब्दों में कहा कि जनमानस, महिला, बुजुर्ग,बच्चों को जलमग्न नहीं रहने दे सकते। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी हालत में ऋषिकेश शहर के जलभराव समाधान करने के निर्देश दिए थे, जिसके फल स्वरुप जल भराव से निकासी का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

ऋषिकेश शहर में बरसात के दौरान जलजमाव की समस्या पर जिलाधिकारी ने जल निगम को पानी निकासी के लिए ठोस प्लानिंग के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं।गुमानीवाला अमित ग्राम के पास नाली चौक होने की समस्या का निस्तारण पानी निकासी के लिए पूर्व में बिछाई गए ह्यूम पाइप को निकाल कर उसका एलाइनमेंट ठीक करने को निर्देशित किया गया जिसके क्रम कार्य चल रहा है।

निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एंव अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने की विभागीय कार्ययोजना की समीक्षा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा0 गीता खन्ना की अध्यक्षता में आईसीडीएस सभागार में बच्चों में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम, उपचार व पुनर्वास से संबंधित उपायों की समीक्षा हेतु ज्वाइंट एक्शन प्लान की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना बैठक लेते हुए।

बाल आयोग के सचिव डा0 शिव कुमार बरनवाल ने बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर आयोग द्वारा पूर्व से किए गए कार्यो और वर्तमान में संचालित कार्यो को साझा करने को कहा। बैठक में राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के संयुक्त निदेशक डा0 एसडी बर्मन ने बच्चों में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति के उपचार के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी दी, जिसमें उनके द्वारा टेली–मानस टोल फ्री नम्बर– 14416 के बारे में बताया गया और कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु के उपरान्त उत्तराखंड में ई–मानस के लांच किये जाने की बात कही। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थों का सेवन करने वाले 13 प्रतिशत बच्चे एवं किशोर है, जिसमें से 20 वर्ष से कम आयु के मात्र 5 प्रतिशत लोग ही उपचार की तलाश करते है, जो कि संख्या में काफी कम है।

बैठक में एनएचएम, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण, खाद्य सुरक्षा, औषधि नियंत्रक, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो, महिला कल्याण, शिक्षा विभाग और नशे के विरुद्ध काम कर रहे एनजीओ द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें उनके द्वारा अपने विभागीय प्रयासों और भविष्य की कार्ययोजना से अवगत कराया गया। शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी स्कूलों में नशा मुक्ति पहरी क्लब को क्रियान्वित किया जाए। आबकारी विभाग स्कूलों के पास मदिरा की दुकानों को कतई अनुमति न दें। महिला कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा पुनर्वास कार्यक्रमों और बचाव कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों में बढ़ती नशे की लत के उपचार हेतु भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डाला। बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सभी जनपदों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में किये जा रहे कार्यो तथा वर्तमान में आ रही चुनौतियों से अवगत कराया।

अध्यक्ष ने सभी जनपदों को लिखित रूप में कार्यों का विवरण व चुनौतियां आयोग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों द्वारा अपने स्तर पर किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में सभी विभागों को एकजुट होकर समन्वय स्थापित करते हुए ज्वाइंट एक्शन प्लान और प्रभावी रूप से इसका क्रियान्वित किये जाने पर जोर दिया। साथ ही बच्चों के हित में सभी टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर (चाइल्ड हेल्पलाइन–1098, साइबर–1930, टेली–मानस –14416, मानस नारकोटिक्स–1933) को सभी सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों, संगठनों तथा जहां बडी संख्या में जनता एकत्रित होती हो वहां पर चस्पा किये जाने के निर्देश दिए।

जेल से छूटने के बाद हिस्ट्रीशीटर फरार, हिरासत में लिया गया भाई, तीन वाहन सीज

हरिद्वार। रुड़की शहर में जेल के बाहर आतिशबाजी और हूटर बजाते हुए अपने समर्थकों के साथ रवाना होने वाले तथाकथित विधायक प्रतिनिधि अनीस के मामले पर पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने अनीस के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए अनीस के भाई को हिरासत में ले लिया है। जबकि अनीस की कार समेत कई कारों को जब्त कर लिया है। मामले में अनीस फरार चल रहा है।

21 जून को जमीन धोखाधड़ी के मामले में रुड़की जेल में बंद अनीस जमानत पर बाहर आया। इस दौरान जेल के बाहर खड़े उसके 40 से 50 समर्थकों ने फूल मालाओं से उसका स्वागत करते हुए आतिशबाजी की। इसके बाद विधायक प्रतिनिधि की नेम प्लेट लगी लग्जरी कार से हूटर बजाते हुए वाहनों के काफिले के साथ रवाना हो गया। ये पूरा घटनाक्रम जेल के बाहर घटा। इस दौरान कुछ देर के लिए सड़क पर जाम की स्थिति भी पैदा हुई।

कार्यालय में जुआ खेलने वालों पर अब डीएम ने तरेरी नजर, लिया तत्काल सख्त एक्शन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कार्यालय में जुआ खेल रहे राजस्व कार्मिक की फोटो्वीडियो वायरल होने पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उप जिलाधिकारी चकराता, कालसी त्यूनी से जांच कराई। जांच में दोषी पाए जोन पर डीएम ने सम्बन्धित कार्मिक के विरुद्ध त्वरित एक्शन लेते हुए राजस्व उप निरीक्षक त्यूनी को निलम्बित कर दिया है। तहसील त्यूनी परिसर में मैन गेट पर राजस्व कर्मियों की सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो कि खबर प्रकाशित की गई है डीएम ने उप जिलाधिकारी चकराता को वायरल वीडियों के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी कालसी, चकराता, त्यूनी द्वारा प्रश्नगत प्रकरण की जॉच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। शिकायत पर उप जिलाधिकारी कालसी, चकराता, त्यूनी द्वारा प्रकरण में प्रेषित आख्या में उल्लेख किया कि तहसील कर्मियों द्वारा तहसील परिसर में ही ताश, जुआ खेला जा रहा था, जिसका मुख्य खिलाड़ी राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र रायगी स्पष्ट दिखायी दे रहा है, साथ ही उक्त प्रकरण का सोशल मीडिया एवं दैनिक समाचार पत्रों में भी खबरें प्रकाशित हुई है। प्रकरण में प्रथम दृष्टया राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र रायगी, तहसील त्यूनी की संलिप्तता स्पष्ट उजागर हो रही है। ऐसे कृत्य से आम जन मानस में विभाग ६ प्रशासन की छवि धूमिल हुई है। राजस्व उप निरीक्षक के विरुद्ध विभागीय आचरण नियमों के उल्लघंन करने पर तत्काल प्रभाव से उचित कार्यवाही किये जाने हेतु डीएम को आख्या प्रेषित की गई।

एनएच-74 घोटाले को लेकर उत्तराखण्ड के कई शहरों में छापेमारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। एनएच–74 घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तराखंड के कई शहरों में एक साथ छापेमारी की। ईडी की टीमें देहरादून, काशीपुर और रुद्रपुर में तड़के ही सक्रिय हो गईं और कई पूर्व व वर्तमान अफसरों के आवासों व ठिकानों पर दबिश दी गई। इसमें एक पीसीएस अफसर भी शामिल है। जानकारी के अनुसार छापेमारी उन अफसरों के घरों व दफ्तरों पर की गई है, जिन पर घोटाले से संबंधित आर्थिक अनियमितताओं में शामिल होने का संदेह है। इससे पहले भी ईडी इस मामले में कई अफसरों पर कार्रवाई कर चुकी है और लाखों रुपये की अवैध संपत्ति जब्त कर चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय पिछले कई महीनों से इस मामले की गहराई से जांच कर रहा है। हालिया छापेमारी उसी जांच का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार, ईडी को कुछ नए दस्तावेज और बैंक लेनदेन के सुराग मिले हैं, जिसके आधार पर यह ताजा कार्रवाई की गई है। छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन और कंप्यूटर जब्त किए गए हैं। ईडी अफसर इनकी फॉरेंसिक जांच भी करवा सकते हैं ताकि मामले में और पुख्ता सबूत जुटाए जा सकें।

बताया जा रहा है कि राजधानी देहरादून में एनएचकृ 74 घोटाले के आरोपी पीसीएस अधिकारी डीपी सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। 2017 में एनएचकृ 74 में करोड़ों रुपए के घोटाले का मामला है। ऐसे में किसानों को मुआवजा देने के फाइल के दस्तावेजों के साथ बैंकिंग दस्तावेजों को ईडी के अधिकारी खंगाल रहे हैं।

पंचायत चुनाव को लेकर राज्य सरकार की ओर से आरक्षण का रोस्टर हाईकोर्ट में पेश

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण रोस्टर निर्धारण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई गुरुवार को भी जारी रही। मामले में सुनवाई मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई।

गुरुवार को सरकार की ओर से आरक्षण का रोस्टर कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर याचिकाकर्ताओं ने अध्ययन के लिए एक दिन का समय मांगा। जिस पर कोर्ट ने सुनवाई की तिथि 27 जून की निर्धारित कर दी।

इधर, अधिवक्ता योगेश पचौलिया ने कोर्ट को अवगत कराया कि राज्य सरकार ने आरक्षण को लेकर गठित समर्पित एकल आयोग की जिस रिपोर्ट के बहाने पंचायत चुनाव को लंबे समय तक टाला, उस आयोग की उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया ही नहीं। जबकि, उसे पब्लिक डोमेन में आना चाहिए था। अब हाईकोर्ट ने इन मुद्दों पर शुक्रवार यानी 27 जून को सुनने का निर्णय लिया है।

गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने लंबी पैरवी कर सरकार की ओर से 9 जून को जारी रूल्स और उसके बाद बने आरक्षण रोस्टर को सही साबित करने के तर्क रखे। महाधिवक्ता और मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग समर्पित आयोग की रिपोर्ट के बाद आरक्षण रोस्टर को शून्य घोषित करना एकमात्र विकल्प था। 9 जून को जारी यह रूल्स बीती 14 जून को गजट नोटिफाई हो गया था।

सुबह इन तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आगे की सुनवाई के लिए दोपहर 1 बजे का टाइम रखा। दोपहर 1 बजे सरकार की ओर से आरक्षण रोस्टर का ब्यौरा कोर्ट के समक्ष रखा गया। जिस पर याचिकाकर्ताओं ने अपना पक्ष रखने के लिए समय मांगा. जिस पर कोर्ट ने कल यानी 27 जून का समय दिया है।

हाईकोर्ट का कहना है उनकी मंशा चुनाव टालने की नहीं है, लेकिन नियमों का पालन जरूरी है। याचिकाकर्ताओं ने उत्तराखंड पंचायत राज अधिनियम और संविधान के अनुच्छेद 243 टी, डी व अन्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आरक्षण में रोस्टर अनिवार्य है। यह संवैधानिक बाध्यता है। गौर हो कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखंड ने बीती 21 जून को हरिद्वार जिला को छोड़ बाकी 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने को लेकर अधिसूचना जारी कर दी थी। जिसके तहत दो चरणों में पंचायत चुनाव कराए जाने थे।

इसके तहत 25 जून से 28 जून तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जानी थी. जबकि, 10 और 15 जुलाई को मतदान तो 19 जुलाई को मतगणना होनी थी, लेकिन आरक्षण पर स्थिति स्पष्ट न होने की वजह से हाईकोर्ट ने पूरी चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी। वहीं, 24 जून को राज्य निर्वाचन आयोग आनन–फानन में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को अग्रिम आदेशों के लिए स्थगित कर दिया।

27 June 2025_Copy of Layout 1 6/27/2025 1:25 PM Page 5

हल्द्वानी में तीन आंगनबाड़ी केंद्रों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया

हल्द्वानी (नजरिया खबर ब्यूरो)। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को हल्द्वानी नगर क्षेत्र में तीन आंगनबाड़ी केंद्रों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया। यह आंगनबाड़ी केंद्र हल्द्वानी नगर निगम क्षेत्र में राजेंद्र नगर प्रथम (राजपुरा), सुभाष नगर चतुर्थ और दमुवाढूंगा मल्ली बमौरी में बनाए गए हैं। इनमें प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र भवन की लागत 18.57 लाख रुपए आई है। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र कोई सामान्य भवन नहीं है बल्कि बच्चों को स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारी बनाकर उत्तराखंड के भविष्य को संवारने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को उचित पोषण और शिक्षा देने की शुरुआती जिम्मेदारी आंगनबाड़ी केदो पर ही है। अगर बच्चों का बचपन स्वस्थ रहेगा तो प्रदेश को ज्यादा कुशल मानव संसाधन उपलब्ध होगा। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हाल ही में 7000 से ज्यादा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की नियुक्ति होने के बाद निश्चित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्य कुशलता में बढ़ोतरी होगी।

इस अवसर पर पार्षद प्रीति आर्या, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष रविंद्र बाली, रजनी बाली, भरत वल्दिया, हेमंत साहू, वीरेंद्र जायसवाल, हीरालाल साहू, पार्षद पंकज त्रिपाठी, पूर्व पार्षद राजेंद्र भाकुनी, पार्षद नेहा अधिकारी, दिनेश वर्मा, विक्रम अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं से एकल महिला स्वरोजगार योजना के प्रचार पर फोकस करने को कहा। मंत्री ने कहा कि इस योजना के बारे में अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं तक इसकी जानकारी पहुंचाएं जिससे वह सरकारी सहायता प्राप्त करके अपना रोजगार खड़ा कर सके।

अनियमितता पाए जाने पर दो सोडा फैक्ट्री सील

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए दो सोडा फैक्ट्रियों को सील कर दिया। इन फैक्ट्रियों में सोडा बनाये जाने के मानक पूरे नहीं किये जा रहे थे। सिडकुल ओर निर्मला छावनी में चल रही इन सोडा फैक्ट्री में से एक के पास तो लाइसेंस ही नहीं था जबकि दूसरी फैक्ट्री के लाइसेंस को निरस्त कर उसके सैम्पल टेस्ट के लिए भेजे गए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश के बाद कावड़ मेले के दृष्टिगत पेय पदार्थों की शुद्धता को जांचने की दृष्टि से दो जगह छापेमारी की गई। जिसमें से एक फैक्ट्री बिना लाइसेंस चल रही थी। इस सोडा यूनिट में भारी अनियमितता पाई गई। उन्होंने बताया कि फिलहाल इसे बंद करवाया गया है। दूसरी सिडकुल स्थित सोडा यूनिट का लाइसेंस निरस्त कर उसके सैम्पल जांच के लिए भेज दिए गये है।

बता दें कि गर्मी में राहत देने के नाम पर लोगों को सेहत बिगाड़ने वाला खतरनाक लिक्विड बनाया जा रहा था। शिकंजी को सोडा सोडियम बेंजोएट नामक केमिकल से तैयार किया जाता था। सोडियम बेंजोएट एक सफेद रंग का गंधहीन क्रिस्टलीय पाउडर होता है, जिस का सेवन करने से उल्टी, पेट दर्द जैसी समस्या हो जाती है।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी के हस्तक्षेप के बाद हुआ श्रमिकों का भुगतान

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। चमोली की मोख मल्ला सड़क के निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों के मेहनताने का जिलाधिकारी संदीप तिवारी के हस्तक्षेप के बाद भुगतान हो गया है। श्रमिक बीते पांच वर्षों से भुगतान के लिए प्रयासरत थे।

बता दें, कि एनपीसीसी की ओर से वर्ष 2020–21 में मोख तल्ला सड़क का निर्माण कार्य ठेकेदार के माध्यम से करवाया गया था। लेकिन निर्माण के बाद ठेकेदार की ओर से श्रमिकों का वर्तमान तक भुगतान नहीं किया गया था। जिसे लेकर श्रमिकों की ओर से जिलाधिकारी चमोली से भुगतान करवाने के लिए पत्र दिया गया। जिस पर जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एनपीसीसी के परियोजना प्रबंधक को शीघ्र श्रमिकों का भुगतान करवाने के आदेश दिए। जिसके बाद अब श्रमिकों के मेहनताने का पांच वर्ष बाद एनपीसीसी की ओर से भुगतान कर दिया गया है।

एपीसीसी के परियोजना प्रबंधक नरेंद्र ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के बाद देवश्वरी देवी पत्नी नंदलाल, रूपा देवी पत्नी देवेंद्र लाल, मीना देवी पत्नी दिलीप लाल के मेहनताने के कुल 30 हजार की धनराशि का भुगतान कर दी गयी है। निवर्तमान ग्राम प्रधान ने बताया कि श्रमिकों के भुगतान के बाद उन्होंने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया है।

हल्दूचौड़ महाविद्यालय के नवसृजित परिसर भवन में वृक्षारोपण

हल्दूचौड़ (नजरिया खबर ब्यूरो)। लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में यूजीसी, राज्य निर्वाचन आयोग और उच्च शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अंतर्राष्ट्रीय ड्रग मुक्त दिवस और वृक्षारोपण अभियान के तहत प्रभारी प्राचार्य डॉ. जे. के. गौतम के निर्देशन में रोवर रेंजर्स इकाई और वन वॉयस द वॉयस ऑफ यूथ क्लब के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के नवसृजित परिसर भवन में आंवला, हरसिंगार, जामुन, अमरूद, अमलतास, बेल, बेला, सिल्वर ओक, गुलमोहर, मोरिंगा, नीम आदि विभिन्न प्रजातियों के दर्जनों छायादार और फलदार पौधों का रोपण परिसर के अन्दर किया गया। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. जयचंद्र कुमार गौतम, डॉ. बिपिन चन्द्र जोशी, डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे और डॉ. दीपा बिष्ट द्वारा अपने–अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को एक–एक वृक्ष नवसृजित परिसर में गोद लेने के साथ ही छात्र–छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और नशा उन्मूलन की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन डॉ. दीपा बिष्ट, डॉ. बिपिन चन्द्र जोशी, डॉ. हेम चन्द्र, वन वॉयस द वॉयस ऑफ यूथ क्लब सदस्य अमित सिंह, कैलाश पाण्डे, राज शर्मा, निशिका गुप्ता, तनीषा राय, हेमा भंडारी, प्रियंका, गौरव, हिमांशु, प्रशांत, श्याम, डॉ. हेमलता गोस्वामी, डॉ. गीता तिवारी पाण्डे, डॉ. मंजू जोशी, डॉ. चन्द्रकान्ता, डॉ. मनोज कुमार जोशी, डॉ. प्रदीप मंडल, डॉ. जगत सिंह, डॉ. वीरेन्द्र सिंह, गिरीश चन्द्र पाण्डे, हरीश चन्द्र जोशी, रिकेश कुमार, जयपाल, उमाशंकर दुम्का आदि उपस्थित रहे।

देवाल के खेता मानमती के भौरियाबगड़ तोक के ऊपरी हिस्से में बादल फटने से हुआ यातायात अवरूद्ध

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। देवाल के खेता मानमती गांव के भौरियाबगड़ तोक के ऊपरी हिस्से में बादल फटने के कारण इस तोक के बीचों बीच बहने वाले गद्देरा ऊफन पर आ गया।

गंद्देरे के ऊफन पर आने के कारण खेता– तोरती मोटर सड़क के किनारे बनाएं गए हरीराम का सीमेंट स्टोर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया हैं। इस स्टोर में रखें गए 250 कट्टे सीमेंट,30 कुंतल सरिया के अलावा इस स्टोर में रखा गया अन्य सामान भी नष्ट हो गया हैं। इसके साथ ही गंद्देरे के पास ही हरी राम के मत्स्य तालाबों को भी खतरा उत्पन्न हो गया हैं। बादल फटने के कारण भौरियाबगड़ में खेता–तोरती मोटर सड़क भी यातायात के लिए अवरूद्ध हो गया हैं।

गंद्देरे के ऊफन पर आने के कारण किसानों के खेतों एवं उसमें खड़ी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि कृष्ण गोपाल राम, शंभू राम, प्रकाश राम, मदन राम, सुरेश राम,पुनीया राम, तोता राम, हरीश राम,धनी राम,माधव राम, कुंदन राम,विजय राम, जयदीप,चंपा देवी, ख्यालीराम,भगोत राम, कल्याण राम आदि की कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। देवाल के राजस्व निरीक्षक हरीश पोखरियाल ने बताया कि सूचना मिलते ही नलधुरा राजस्व क्षेत्र के राजस्व उपनिरीक्षक पुष्कर सिंह नेगी के नेतृत्व में राजस्व विभाग का दल प्रभावित क्षेत्र में जा चुका हैं, और नुकसान का जायजा लेने के साथ ही पीड़ितों को राहत पहुंचाने में जुट गया हैं।

कर्णप्रयाग पुलिस ने 300 ग्राम प्रतिबंधित कीड़ा जड़ी के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिले में अवैध वन उपज की तस्करी पर प्रभावी रोकथाम लगाने के लिये एसपी चमोली श्री सर्वेश पंवार महोदय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत, कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की एक विशेष टीम ने गौचर चौकी के समीप बैरियर पर चेकिंग के दौरान एक टाटा सूमो वाहन से 300 ग्राम प्रतिबंधित श्कीड़ा जड़ीश (यारसागंबू) बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक चमोली ने जिले में अवैध वन संपदा की तस्करी रोकने और इसमें संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ हेतु सभी थाना प्रभारियों को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में, वन्य उपज की तस्करी में संलिप्तता की सूचनाओं पर कार्यवाही हेतु गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा गत 25 जून को मुखबिर की सूचना पर गौचर चौकी स्थित बैरियर पर वाहनों की सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान, टाटा सूमो वाहन संख्या न्झ 05 ज। 2125 को रोककर उसकी तलाशी ली गई। वाहन में सवार चालक सहित दो व्यक्तियों रणजीत सिंह राणा पुत्र राय सिंह राणा उम्र करीब 47 वर्ष व सयन सिंह पुत्र गोविंद सिंह उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम निवासी सुभाई, कोतवाली ज्योतिर्मठ (चमोली) की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 300 ग्राम प्रतिबंधित कीड़ा जड़ी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार कीड़ा जड़ी एक प्रतिबंधित श्रेणी की वन उपज है और इसे अपने कब्जे में रखने या इसका व्यापार करने के लिए वैध लाइसेंसध्प्राधिकार पत्र की आवश्यकता होती है। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा इस प्रतिबंधित वन उपज को अपने कब्जे में रखने से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या प्राधिकार पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। बरामद की गई 300 ग्राम प्रतिबंधित कीड़ा जड़ी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब ₹3,00,000 बताई जा रही है। इस संबंध में कोतवाली कर्णप्रयाग पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध मु0अ0सं0–24ध2025 धारा 26(छ), 41 और 42 भारतीय वन अधिनियम व धारा 3ध28 उत्तराखंड ईमारती लकड़ी व वन उपज अधि. नियमावली 2012 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है तथा अभियुक्तों को नियमानुसार माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट कर्णप्रयाग के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार 300 ग्राम प्रतिबंधित कीड़ा जड़ी (यार्सगाम्बू) कीमती करीब 300000ध₹, परिवहन में प्रयुक्त टाटा सूमो रजि. न. न्झ05ज।2125 बरामद किया गया है। पुलिस टीम में वरि0उ0नि0 संजय सिंह नेगी, उप. निरी. मानवेन्द्र गुसाई, कॉन. नितिन बिष्ट, कॉन. अशोक रावत, कॉन. प्रदीप बहुखंडी, कॉन. मनवीर कोतवाली कर्णप्रयाग, कॉन. आशुतोष तिवारी एस. ओ. जी. कॉन. राजेन्द्र सिंह रावत एस. ओ.जी., कॉन. रविकांत एस. ओ. जी. शामिल रहे।

प्रशासन ने मौसम को देखते हुए की सावधानी बरतने की अपील की

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने से अब तक 10 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर चुके हैं। लगातार भारी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं। इस बीच मानसून सक्रिय हो गया है और क्षेत्र में रुक–रुक कर बारिश हो रही है।

बारिश के कारण कुछ स्थानों पर राजमार्गों पर अवरोध उत्पन्न हो रहा है, जिसे कार्यदायी संस्थाओं द्वारा तत्परता से खोला जा रहा है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मौसम पूर्वानुमान और अलर्ट को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा की योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा यात्रा मार्गों पर आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं तथा लगातार निगरानी रखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा हेतु जिला प्रशासन पूर्णतः तत्पर और सजग है।

होटल में चल रहा था अवैध कसीनों, आठ महिलाओं सहित 32 हिरासत में

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। होटल में चल रहे अवैध कसीनों का खुलासा करते हुए पुलिस ने आठ महिलाओं सहित 32 लोगों को हिरासत में लिया है। जिनके पास से 2 लाख 74 हजार की नगदी व 19 सौ काइन बरामद किये गये है। हालांकि मामले में होटल स्वामी फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती रात एक सूचना के आधार पर गंगनहर कोतवाली पुलिस ने रामपुर चुंगी स्थित होटल राजमहल में छापेमारी की। इस दौरान कसीनो में खेल रहे लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी करते हुए आठ महिलाओं और 24 पुरुषों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इस होटल में अवैध रूप से जुएं का बड़ा कारोबार चलाया जा रहा था। पुलिस ने तलाशी ली तो उनके पास से करीब 2 लाख 74 हजार रुपए की नकदी और 1900 कॉइन बरामद किए हैं। पुलिस सभी को बस में भरकर कोतवाली ले आई। वही होटल स्वामी फुरकान अहमद मौके से फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया कि सूचना मिली थी कि होटल राजमहल में अवैध तरीके से जुआ खिलाया जा रहा है, फिलहाल छापेमारी कर आठ महिलाओं समेत कुल 32 लोगों को हिरासत में लिया गया है जिनके पास से नकदी और कॉइन बरामद किए हैं जबकि फरार होटल स्वामी की तलाश जारी है।

उफनती नहर में गिरी कार, बच्चे समेत 4 लोगों की मौत, 3 घायल

हल्द्वानी (नजरिया खबर ब्यूरो)। हल्द्वानी में कोतवाली क्षेत्र में फायर ब्रिगेड दफ्तर के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गयी। जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतकों के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेजा गया है।

नहर में गिरी कार।

घटनाक्रम के अनुसार सुबह शहर में फायर ब्रिगेड कार्यालय के पीछे सिंचाई नहर में कार गिरते ही पलट गई और थोड़ा आगे बहकर पुलिया में फंस गई। इस दौरान कार के अंदर पानी घुस गया। कार में 7 लोग सवार थे. इनमें से एक बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हो गई है। तीन लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कार को रेस्क्यू करके नहर से बाहर निकाला.लेकिन तब तक देर हो गई थी. कार के शीशे खोलने पर पता चला कि एक बच्चे समेत कुल चार लोग दम तोड़ चुके थे। तीन लोग घायल अवस्था में मिले। इन्हें सुशील तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि कार में कुल सात लोग सवार थे। इनमें एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई है। तीन लोगों का उपचार चल रहा है। नहर कार गिरी और तेज बहाव होने के चलते कार बह गई. पुलिस कार और मृतक लोगों के संबंध में जानकारी इकट्ठा की है. ये लोग उधम सिंह नगर के किच्छा के रहने वाले थे।

गोपेश्वर फायर सर्विस ने दोहरी चुनौती का सामना कर जनजीवन सामान्य किया

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। गोपेश्वर फायर सर्विस ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया और दक्षता का परिचय देते हुए, पेड़ गिरने की दो अलग–अलग घटनाओं को सफलतापूर्वक संभाला। इन घटनाओं के कारण कोठियालसैंण में एक घर खतरे में आ गया था, जबकि घिंघराण रोड पर यातायात बाधित हो गया था। फायर कर्मियों की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई ने दोनों स्थानों पर स्थिति को सामान्य कर दिया।

पहली घटना कोठियालसैंण में सामने आई, जहाँ एक विशाल पेड़ एक घर के ऊपर आ गिरा। सूचना मिलते ही, गोपेश्वर फायर सर्विस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने स्थिति का आकलन किया और पाया कि पेड़ को हटाने के लिए विशेष उपकरणों की आवश्यकता होगी ताकि घर को कोई और नुकसान न पहुँचे। उन्होंने अत्याधुनिक वुडन कटर का उपयोग करते हुए, पेड़ को सावधानीपूर्वक छोटे–छोटे टुकड़ों में काटा। इस सधे हुए ऑपरेशन ने घर को सुरक्षित किया और वहाँ रहने वालों के लिए संभावित खतरे को टाल दिया। लगभग उसी समय, फायर सर्विस को घिंघराण रोड पर एक और पेड़ गिरने की सूचना मिली, जिसने पूरी सड़क को अवरुद्ध कर दिया था। इस अवरोध के कारण यातायात में भारी बाधा उत्पन्न हो गई थी और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। फायर सर्विस की दूसरी टीम बिना समय गंवाए घिंघराण रोड पर पहुंची। यहाँ भी, टीम ने वुडन कटर की सहायता से गिरे हुए पेड़ को टुकड़ों में काटा और तुरंत सड़क से हटा दिया। जिससे यातायात का प्रवाह सुचारु हो गया और आवागमन सामान्य हो सका।

27 June 2025_Copy of Layout 1 6/27/2025 1:25 PM Page 7

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने नशे की बिक्री को रोकने के लिए प्रवर्तन को बढ़ाए जाने के निर्देश दिए

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनन्द बर्दधन ने गुरुवार को सचिवालय में राष्ट्रीय नार्को समन्वय पोर्टल (एन्कॉर्ड) की बैठक ली। मुख्य सचिव ने प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों के साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति पर गहरी चिन्ता व्यक्त की।

मुख्य सचिव बैठक लेते हुए।

उन्होंने युवाओं पर नशे के बढ़ते प्रकोप पर काबू करने के लिए कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए डीएम एसएसपी को महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। मुख्य सचिव ने नशे की बिक्री को रोकने के लिए प्रवर्तन को बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे को रोकने के लिए पुलिस विभाग को कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने इसके लिए एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह को नशे के खिलाफ कड़े कदम उठाए जाने हेतु पूरी छूट देते हुए सिंगल पॉइन्ट नोडल अधिकारी नामित किया। उन्होंने कहा कि नशे की जड़ों को काटने के लिए उन्हें जो भी आवश्यकता है, उपलब्ध करायी जाएगी।

उन्होंने कहा कि नशे के लिए बने इस ईको सिस्टम को तोड़ने के लिए पूरे प्रदेश में एक साथ अभियान चलाया जाए, जिसमें प्रत्येक सम्बन्धित विभाग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को ड्रग इंस्पेक्टर को भी इस अभियान में शामिल किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि डिमांड और सप्लाइ की चौन को तोड़ने में प्रत्येक अधिकारी को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी होगी। सही तरीके से काम नहीं कर पा रहे अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक अपने जनपदों में शिक्षण संस्थानों और हॉस्टल आदि के प्रमुखों से वार्ता कर उन्हें अपने संस्थानों में मेडिकल टेस्ट करने हेतु राजी करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए उपकरण एवं टेस्ट मैटीरियल की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग की ओर से की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को भी इसमें सहयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों का मेडिकल टेस्ट कराए जाने हेतु लगातार अभियान चलाए जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने वृहद स्तर पर राज्य एवं जनपदों में जागरूकता अभियान संचालित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए गृह विभाग, सूचना विभाग, उच्च शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग को एक दिन निर्धारित करते हुए वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान संचालित किए जाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जागरूकता गतिविधियों में सोशल मीडिया एवं सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर को भी शामिल किया जाए। प्रदेश भर में लगातार इस प्रकार के जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं।

हंस फाउंडेशन ने लगाया पोखरी में निशुल्क नेत्र शिविर, 80 मरीजो की जांच

चमोली। हंश फाउंडेशन की ओर से गुरूवार को पोखरी में निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 80 लोगो की ऑखो की जांच हुई। जिसमें 13 लोगो की ऑखो में मोतिया बिन्द निकला, जिनको हंश अस्पताल सतपुली ले जाया जायेगा। तथा जरूरत मंद लोगो को निशुल्क ऑखो की ड्राप व चश्मे दिए गये है।सुबह 10 बजे से पोखरी व्यापार संघ अध्यक्ष बीरेंद्र राणा के सहयोग से हंस फाउंडेशन सतपुली के द्वारा नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ प्रशान्त जुगरान ने कहा नेत्र शिविर में 80 लोगों की आंखों की जांच की गई और जरूरतमंदो को चश्मा और निशुल्क दवाईयां दी गई। जिसमें से 13 नेत्र रोगियों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया जिसको सर्जरी के लिए हंस फाउंडेशन सतपुली ले जाया जाएगा। शिविर को व्यापार मंडल के अध्यक्ष वीरेन्द्र राणा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर कोर्डिनेटर दीपक गुसाईं सहित तमाम लोग मौजूद थे।

फोनपे और एचडीएफसी बैंक ने को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लॉन्च के लिए पार्टनरशिप की

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। फोनपे ने आज एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर फोनपे एचडीएफसी बैंक को–ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह को–ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में फोनपे का पहला कदम है। एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर रुपे क्रेडिट कार्ड्स की यह नई सीरीज भारतीय ग्राहकों की बदलती वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई है, खासकर फोनपे प्लेटफॉर्म पर यूपीआई से की जाने वाली खर्चों पर शानदार फायदे देती है।

इस लॉन्च पर फोनपे की चीफ बिजनेस ऑफिसर, कंज्यूमर पेमेंट्स, सोनिका चंद्रा का कहना है कि हम एचडीएफसी बैंक के साथ अपने पहले को–ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं। यह लॉन्च दिखाता है कि हम अपने इस बड़े यूजर्स के समूह को नए–नए फाइनेंशियल सोल्यूशंस देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। यह कार्ड फोनपे ग्राहकों को उनके रोजमर्रा के खर्चों पर फायदे देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे उन्हें बिल पेमेंट, रिचार्ज और ट्रैवेल बुकिंग जैसी चुनिंदा कैटेगरी पर 10 प्रतिशत रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे। इसके अलावा, कस्टमर लाखों यूपीआई मर्चेंट पर आसानी से इस कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि एचडीएफसी बैंक के साथ हमारी रणनीतिक पार्टनरशिप, इस कार्ड द्वारा दिए जाने वाले फायदों के साथ, लाखों भारतीयों के लिए क्रेडिट कार्ड अनुभव को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

मैक्स हॉस्पिटल ने कैंसर सर्वाइवर्स के लिए किया कार्निवल का आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने आज कैंसर सर्वाइवर्स के लिए एक कार्निवल का आयोजन किया, जिसमें कैंसर से जंग जीत चुके मरीजों ने अपने परिवारजनों के साथ मिलकर अपनी हिम्मत और हौंसले का जश्न मनाया। इस अवसर पर 90 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सौरभ तिवारी, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. रुनू शर्मा, कंसल्टेंट दृ मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं डॉ. अमित बडोला, कंसल्टेंट , मेडिकल ऑन्कोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने दीपप्रज्वलित करके किया। इस इंवेंट को आयोजित करना का उद्देश्य कैंसर सर्वाइवर्स की साहसिक और प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाना था, ताकि अन्य मरीजों और उनके परिवारों को यह संदेश मिल सके कि सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। कार्यक्रम में कैंसर मरीजों और सर्वाइवर्स के लिए एक आर्ट थेरेपी वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य कला के माध्यम से कैंसर सर्वाइवर्स को तनाव कम करने और अपने भावों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने में मदद करना था। डॉ. सौरभ तिवारी, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी,मैक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने बताया कि "कैंसर से लड़ने के लिए मरीजों को दवाईयों के साथ–साथ हिम्मत और हौसलें की जरूरत पड़ती है, क्योंकि इस बीमारी के इलाज में मरीज को काफी वक्त तक मुश्किलों से गुजरना पड़ता है, ऐसे में उनके परिजन और उनका हौंसला उन्हें मानसिक व भावनात्मक रुप से मजबूत करते हैं।"डॉ. रुनू शर्मा, कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी मैक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने भी मरीजों से बात की और कैंसर के बाद स्वयं की देखभाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं।

हाईकोर्ट ने अगले आदेश तक चंडी मंदिर को बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति को सौंपा

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। हाईकोर्ट ने हरिद्वार में प्रसिद्ध चंडी मंदिर का प्रबंधन अगले आदेश तक बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति को सौंपते हुए मंदिर के चढ़ावे की चोरी हुई रकम के मामले में रीना बिष्ट के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद उसे अग्रिम जमानत दी है साथ ही उसे सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई में वीसी के माध्यम से हरिद्वार के डीएम और एसएसपी भी उपस्थित हुए। रीना बिष्ट ने अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र दायर कर कहा था कि थाना श्यामपुर, हरिद्वार में शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया था कि चंडीघाट हरिद्वार निवासी रोहित गिरी (चंडी मंदिर का तत्कालीन महंत) के साथ शिकायत कर्ता का विवाह हुआ था। अगस्त 2021 में रोहित गिरी ने बताया कि आज मन्दिर में तुम्हारी बडी बहन की पुरानी परिचित रीना बिष्ट आई थी। उसने बताया कि उसकी पहली लव मैरिज गुमानीवाला ऋषिकेश के प्रतिष्ठित भटट परिवार में हुई थी किन्तु पति ने बिना तलाक के ही प्रार्थिनी को मार पीट कर छोड़ दिया जिस कारण वह मजबूरी में दिल्ली में काम करने चाली गई जहां तलाकशुदा एमबीबीएस डाक्टर से उसने विवाह कर लिया। उसके दूसरे पति ने भी उसे उपेक्षित करके रखा हुआ है। उसकी दयनीय हालत देखकर मैने उसे तुम्हारा फोन नम्बर दिया है। फोन पर रीना बिष्ट ने भी यही सब कहा जिस पर रीना बिष्ट को उसने घर पर रख लिया। 2022 में प्रार्थिनी को एक डायरी मिली जिसमें रोहित गिरी की हैंड राइटिंग में रीना के नाम पांच लाख पचास हजार रूपये की एफडी बनाने की बात लिखी थी। पूछने पर रोहित गिरी ने कहा कि रीना ने मेरे साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाकर वीडियो बना लिया था इस कारण उसे पैसे दे रहा था। जनवरी 2025 में रीना व रोहित ने अपने अवैध रिश्ते से अपनी बेटी को जन्म दिया। इस बीच 14 मई 2025 को पंजाब पुलिस ने रोहित गिरी को किसी महिला के साथ छेडखानी के मामले में गिरफ्तार कर लिया। इसका फायदा उठाकसर प्रार्थिनी को मन्दिर के चढ़ावे की लूट के फर्जी मामले में फंसाने का डर दिखाकर प्रार्थिनी से मॉ चण्डी देवी के आजीवन ट्रस्टी के पद से त्यागपत्र जबरन लेने व रोहित गिरी को तुरन्त तलाक देने का दबाव बनाया और अपने सहयोगियों से मिलकर मन्दिर की सम्पत्ति को खुर्दबुर्द करने का आपराधिक षड़यंत्र रचा। प्रार्थिनी के भाई के होली ऍजल स्कूल के बच्चों से प्राप्त फीस की धनराशि के साथ बैंक से निकाले धन कुल सवा चार लाख रूपयो को हल्ला मचा कर मन्दिर के लाखो रूपये की लूट बताने लगे।

अलकनंदा में गिरा तीर्थ यात्रियों का वाहन, दो लोगों की मौत, 10 लापता

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। गुरुवार सुबह बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर में एक टेंपो ट्रैवलर उफनती अलकनंदा नदी में गिरकर समा गयी। इस टेंपो ट्रैवलर में चालक समेत कुल 20 लोग सवार थे। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी जबकि दस लोग लापता बताए जा रहे है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंपो ट्रैवलर हादसे के दौरान 10 लोग छिटककर पहाड़ी पर अटक गए। इनमें दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है। बाकी 10 लोगों की खोजबीन जारी है। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं। घटनाक्रम के अनुसार सुबह लगभग आठ बजे एक टेंपो ट्रैवलर तीर्थयात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम की ओर जा रही थी। नेशनल हाईवे पर घोलतीर के पास यह टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर

घायलों की खोजबीन करते हुए।

सीधे अलकनंदा नदी में समा गई। हादसे के दौरान इसमें सवार 10 यात्री पहाड़ी पर ही छिटक गए और घायल हो गए। जिनमें दो की मौत हो गयी। जबकि अन्य यात्रियों के टेंपो ट्रैवलर के साथ नदी में जा गिरे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही घोलतीर पुलिस बल और रुद्रप्रयाग से एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया गया। नदी का तेज बहाव राहत और बचाव कार्य में चुनौती बना हुआ है। बचाव टीम लगातार प्रयास कर रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में सहयोग किया है। हादसे के बाद से इलाके में अफरा–तफरी का माहौल है। रुद्रप्रयाग पुलिस ने जो बयान जारी किया है, उसके अनुसार गुरुवा की सुबह लगभग आठ बजे सूचना प्राप्त हुई कि जनपद रुद्रप्रयाग के घोलतीर के निकट स्टेट बैंक मोड़ के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर हाईवे से सीधे खाई में गिरकर अलकनन्दा नदी में चला गया है। उक्त वाहन प्रातःकाल रुद्रप्रयाग से बदरीनाथ जा रहा था। इस दुर्घटना की सूचना मिलने पर जिला पुलिस, अग्निशमन इकाई, एसडीआरएफ सहित तमाम रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची तथा स्थानीय व्यक्तियों द्वारा भी रेस्क्यू कार्य में सहयोग दिया गया। वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा नदी में समाने से पूर्व इस वाहन में सवार कुछ व्यक्ति जो कि छिटक गये थे, का रेस्क्यू टीमों द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से ऊपर सड़क पर लाया गया। इन घायल व्यक्तियों को तत्काल जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भिजवाया गया है।

पुलिस कर्मी के घर से लाखों के जेवरात व अन्य सामान चोरी

हरिद्वार। बंद मकान में धावा बोलते हुए चोरों ने पुलिस कर्मी के घर से लाखों के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर लिया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश शुरू कर दी है।

चोरी का यह मामला सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र की डिफेंस कॉलोनी का है। जानकारी के अनुसार रुड़की डिफेंस कॉलोनी निवासी पूनम के पति सत्येंद्र रेलवे सुरक्षा बल में सिपाही के पद तैनात है और उनकी पोस्टिंग तमिलनाडु में है

वहीं पूनम भी अपने मूल गांव ताजपुर जिला मुजफ्फरनगर अपने बच्चों की छुट्टियां बिताने गई थी। 22 जून को पड़ोसियों ने सूचना देकर बताया कि उनके घर का दरवाजा खुला है वह आनन फानन में रुड़की आई तो देखा कि घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की खंभे से बांधकर धुनाई, पुलिस कर रही जांच

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। लक्सर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में प्रेमिका से मिलने पहुंचे एक युवक को खंभे से बांधकर लाठी डंडों से पीटा गया। युवक को पीटने का वीडियो भी सामने आया है। जिसके बाद युवक के परिजनों ने मारपीट करने वालों के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, घटना लक्सर के भिक्कमपुर पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव की है। उत्तर प्रदेश के एक गांव निवासी युवक का प्रेम प्रसंग भिक्कमपुर क्षेत्र की एक युवती से चल रहा था। दोनों के बीच फोन पर बातचीत के अलावा कई बार मुलाकातें भी होती रही। बताया जा रहा है कि युवक अक्सर युवती से मिलने उसके गांव आता था। इसी बीच गांववालों को उनके प्रेम प्रसंग के बारे में जानकारी हुई। बीती 16 जून को युवक एक बार फिर प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा। जहां युवती के गांव वालों को जानकारी मिली। युवक चीखता–चिल्लाता रहा और गांव वालों से उसे छोड़ने की विनती करता रहा। इसके बाद युवक ने फिर दोबारा गांव न आने की बात कही, जिसके बाद गांव वालों ने युवक को छोड़ा। हालांकि, बताया जा रहा है कि घटना के बाद युवक और युवती ने कोर्ट में शादी कर ली।

बंशीधर तिवारी को मिला अपर सचिव मुख्यमंत्री का अतिरिक्त प्रभार

देहरादून। अपर सचिव सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी को अपर सचिव मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया।

बुधवार को यहां संयुक्त सचिव राजेन्द्र सिंह पयाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा कार्यहित में बंशीधर तिवारी को वर्तमान पदभारों के साथ–साथ अपर सचिव मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि नवीन पदभार ग्रहण करते हुए आख्या कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग को उपलब्ध कराया जाये।

न्यूज डायरी

महाराज ने ट्रैवलर बस दुर्घटनाग्रस्त होने पर चिन्ता जताते हुए मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की

देहरादून। जनपद रुद्रप्रयाग, घोलतीर के समीप बद्रीनाथ हाईवे पर हुई मिनी ट्रैवलर बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज ने चिंता जताते हुए हादसे में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

श्री महाराज ने कहा कि हादसे में मारे गए, घायल यात्रियों को निकालने और लापता यात्रियों की खोज के लिए एसडीआरएफ 40 किमी तक रेस्क्यू अभियान चला रही है। बस दुर्घटना में घायल यात्रियों के उपचार हेतु राहत कार्य लगातार जारी है। गंभीर रूप से घायलों के त्वरित ईलाज हेतु उन्हे हेली एम्बुलेंस की सहायता से एआईआईएमएस (।प्प्डै) ऋषिकेश भेजा गया है। प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पेज 01 का शेष...

लोकतंत्र सेनानी हमारे महानायकः मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के प्रत्येक जिले में ऐसे सैंकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने लोकतंत्र को पुनर्स्थापित करने हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी स्वयं आपातकाल के समय भूमिगत रहकर लोकतंत्र की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहे थे। यही कारण है कि उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के योगदान और आपातकाल के काले अध्याय से आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराने हेतु 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" के रूप में मनाने की शुरुआत की। आदरणीय प्रधानमंत्री ने आपातकाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए 1978 में "संघर्षमां गुजरात" नामक एक किताब भी लिखी थी। कल ही आदरणीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री के आपातकाल के दौरान के संघर्ष पर लिखी एक नई पुस्तक "द इमरजेंसी डायरीज" का भी विमोचन किया। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक और संविधान हत्या दिवस के माध्यम से भारत की नई पीढ़ी भी ये जान सकेगी कि किस तरह आपातकाल के दौरान संविधान को रौंदा गया और लोकतंत्र की आत्मा को निर्ममता से कुचला गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारी सरकार लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान हेतु पूर्ण रूप से संकल्पित होकर कार्य कर रही है। प्रदेश भर में आपातकाल के विरुद्ध हुए इस महान आंदोलन के बारे में हमारी युवा पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोकतंत्र की शक्ति और नागरिकों की लोकतंत्र के प्रति आस्था को और अधिक मजबूत किया जा सके। हमारी सरकार आपकी प्रत्येक समस्या के समाधान हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। हम राष्ट्र के प्रति आपके अतुलनीय योगदान को जन–जन तक पहुंचाने हेतु प्रतिवर्ष इसी प्रकार लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

छापेमारी में एक घर से भारी मात्रा में नशीली दवाइयां बरामद

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस न औषधि विभाग की टीम ने एक घर में छापेमारी कर वहां से भारी मात्रा में नशीली दवाए बरामद की है। टीम द्वारा घर से नशीली दवाए बेचने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। हालांकि मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार एक सूचना के बाद कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने औषधि विभाग के साथ संयुक्त ऑपरेशन को अंजाम देते हुए मोहल्ला चौहानान स्थित लिम्ब्रा फार्मेसी में आकस्मिक चौकिंग की गई तो कोई

पकड़ा गया आरोपी।

अवैध प्रतिबंधित नशीली दवाइयां नहीं मिली।

पूछताछ की गई तो उक्त व्यक्ति ने बताया कि मेडिकल का मालिक जुबैर है तथा वह पार्टनरशिप में काम करता है। दवाइयां उसके मौहल्ला चौहानान में ही स्थित घर में रखी हैं। जिस पर संयुक्त टीम द्वारा बताये गये घर में छापेमारी करते हुए वहां से भारी मात्रा में अवैध नशीली दवाइयां, कैप्सूल, कफ, सिरप, टैबलेट बरामद हुई।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com
Website : www.nazariyakhabar.com
डाक पंजीयन : UA/DO/DDN/402/2017-19